



जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 94 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

प्रधानमंत्री मोदी ने चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के चरण-दो का किया उद्घाटन, विजय के साथ की मेट्रो की सवारी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफविजय की उपस्थिति में रविवार को चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के चरण-दो के पहले हिस्से का उद्घाटन किया। शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने और यातायात संपर्क को सुगम बनाने के लिए 4,900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह नया मेट्रो रूट 14.64 किलोमीटर लंबा है। श्री मोदी और श्री विजय ने चरण-दो के तहत पूनमल्ली-वडपलनी खंड के बीच पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस चरण में 3.7 किलोमीटर लंबा विशेष डबल-डेकर बांचा और बिना ड्राइवर के ट्रेन परिचालन का समर्थन करने वाली अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली शामिल है। इसके बाद श्री मोदी और श्री विजय दोनों ने कार्डर से टिकट खरीदे और इस पहले चरण के तहत आने वाले पोरूर बाईपास स्टेशन से पूनमल्ली बाईपास स्टेशन तक और वहां से वापस मेट्रो ट्रेन में यात्रा की। सफ़र के दौरान चेन्नई मेट्रो रेल के अधिकारियों ने दोनों नेताओं को परियोजना की प्रमुख विशेषताओं



के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पूनमल्ली से पोरूर के बीच मेट्रो से यात्रा का समय घटकर केवल 20 मिनट रह जाएगा, जबकि पोरूर से वडपलनी की दूरी मेट्रो के जरिए 18 मिनट में पूरी होगी, जिससे यात्रियों के

समय की बड़ी बचत होगी। इससे पहले हवाई अड्डे से पोरूर मेट्रो स्टेशन तक के पूरे रास्ते में सड़क के दोनों ओर जमा लोगों के हजूम ने दोनों नेताओं का जोरदार स्वागत किया, जिसमें हाथों में

तख्तियां लिए महिला कार्यकर्ताओं सहित भाजपा के तमाम कार्यकर्ता शामिल थे। श्री मोदी और श्री विजय ने साथ-साथ रोड शो करते हुए जनता का यह उत्साहजनक अभिवादन स्वीकार किया। जैसे ही वाहन धीमा हुआ, प्रधानमंत्री ने मुस्कुराते हुए गाड़ी का दरवाजा खोला, बाहर खड़े हुए और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री भी दूसरी गाड़ी में प्रधानमंत्री के पीछे-पीछे चल रहे थे, उन्होंने गाड़ी की खिड़की पूरी तरह खोल रखी थी और बड़ी आत्मीयता से जनता का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। दोनों नेताओं के इस संयुक्त रोड शो को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। पोरूर से आईआईटी-मद्रास परिसर की वापसी यात्रा के दौरान भी ऐसा ही भव्य और गर्मजोशी भरा स्वागत देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने बाद में आईआईटी-मद्रास परिसर स्थित केंद्रीय विद्यालय मैदान में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में मेट्रो परियोजना के चरण-दो के पूनमल्ली-वडपलनी खंड का

मोदी ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि दी आपातकाल के खिलाफ उनकी लड़ाई को किया याद

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी और समाजवादी नेता के कई पीढ़ियों पर पड़े गहरे प्रभाव,आपातकाल के खिलाफ उनके कड़े विरोध और सुशासन तथा समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नारायण ने लोगों को सार्वजनिक जीवन को देश के नवनिर्माण के एक माध्यम के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। तानाशाही के खिलाफ उनका विरोध भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक अहम अध्याय बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा, उनका प्रभाव कई पीढ़ियों तक रहा। उन्होंने लोगों को यह विश्वास दिलाया कि सार्वजनिक जीवन देश के नवनिर्माण का एक साधन हो सकता है। इमरजेंसी के दौरान उनकी निडर आवाज़ भी उल्लेखनीय थी। मोदी ने जवाबदेह शासन और सामाजिक समावेश पर नारायण के जोर का भी जिक्र किया और उनके आदर्शों को एक विकसित भारत बनाने के सरकार के लक्ष्य से जोड़ा। उन्होंने कहा, लोकनायक जेपी सुशासन सुनिश्चित

करने और समाज के हाशिए पर रहने वाले लोगों तक पहुँचने के लिए भी बहुत उत्साहित थे। 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में काम करते हुए हम उनके आदर्शों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जेपी या लोकनायक के नाम से मशहूर जयप्रकाश नारायण भारत के स्वतंत्रता संग्राम और आजादी के बाद के राजनीतिक जीवन की सबसे अहम हस्तियों में से एक थे। एक समाजवादी विचारक और लोकतांत्रिक जवाबदेही के समर्थक के तौर पर वे 1970 के दशक में भ्रष्टाचार और राजनीतिक सत्ता के केंद्रीकरण के खिलाफआंदोलन में एक मुख्य चेहरा बने। 'संपूर्ण क्रांति' के उनके आह्वान ने छात्रों, युवाओं और विपक्षी समूहों - खासकर बिहार में - को एकजुट किया और बाद में यह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार के खिलाफ एक बड़े राष्ट्रीय आंदोलन में बदल गया। नारायण के अभियान का मकसद दूरगामी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सुधार लाना था, जिसमें उन्होंने देश के लिए अपने विजुन के केंद्र में सार्वजनिक जवाबदेही और लोगों की भागीदारी को रखा।

औपचारिक उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने 13,000 करोड़ रुपये की कई अन्य

विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन और परियोजना दैनिक यात्रियों के सफ़र के समय शिलान्यास किया। मेट्रो का यह चरण-दो को कम करेंगी।

इंडिया गठबंधन युवाओं पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ सोमवार को फिर सड़कों पर उतरेगा : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि सोमवार को पूरा इंडिया गठबंधन तथा देश के युवा बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरेंगे और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ पहले से कहीं अधिक विरोध की आवाज बुलंद करेंगे।

गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के अधीन दिल्ली पुलिस खुद गुंडागर्दी पर उतर आई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोगों को महिलाओं और युवाओं पर हिंसा करने की खुली छूट दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जितना दबाव



बनाएगी, युवाओं और छात्रों का गुस्सा उतना ही बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ सोमवार को मुख्य न्यायाधीश से भी मुलाकात करेंगे और मांग करेंगे कि जब

दिल्ली को सड़कों पर सांविधान और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, तब स्वयं को विकास यात्रा का केवल लाभार्थी न समझें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में शनिवार को खेल मंत्रालय की ओर से मेरा युवा भारत (माई भारत) के माध्यम से 'यूथ फॉर विकसित भारत' सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें युवा प्रतिभाओं, खिलाड़ियों और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने भाग लिया। डॉ. मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेंगे। विकसित भारत का निर्माण युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए और युवाओं के माध्यम से होना चाहिए।

गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जितनी चाहे पुलिस तैनात कर ले और भाजपा-आरएसएस के जितने लोगों को बुलाना चाहे, बुला ले, लेकिन वे डरने या पीछे हटने वाले नहीं हैं और यह लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है।

विकसित भारत के निर्माण में युवा सक्रिय भागीदार बनें : मांडविया

वाराणसी। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान किया है और कहा है कि युवा स्वयं को विकास यात्रा का केवल लाभार्थी न समझें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन में शनिवार को खेल मंत्रालय की ओर से मेरा युवा भारत (माई भारत) के माध्यम से 'यूथ फॉर विकसित भारत' सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें युवा प्रतिभाओं, खिलाड़ियों और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने भाग लिया। डॉ. मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेंगे। विकसित भारत का निर्माण युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए और युवाओं के माध्यम से होना चाहिए।



उन्होंने युवाओं से अनुशासन, सेवा, उत्तरदायित्व और सम्मान जैसे मूल्यों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटे लेकिन निरंतर प्रयास भी सार्थक गया। इसमें युवा प्रतिभाओं, खिलाड़ियों और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स ने भाग लिया। डॉ. मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेंगे। विकसित भारत का निर्माण युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए और युवाओं के माध्यम से होना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की टिप्पणी आंतरिक मामलों में दखल : भारत



नयी दिल्ली। भारत ने राजधानी दिल्ली में शनिवार को विरोध प्रदर्शन की घटनाओं के संबंध में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की टिप्पणी पर सख्त आपत्ति जताते हुए इसे देश के आंतरिक मामलों में बेवजह दखल करार दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने शनिवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस पर कड़ी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की चिंता गलत है और यह भारत के आंतरिक मामलों में बिना वजह दखल देने जैसा है। मिशन ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां संविधान शांतिपूर्ण तरीके से सभा करने का अधिकार देता है। इस अधिकार की रक्षा मजबूत संस्थाओं, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया के जरिए की जाती है। पोस्ट में कहा गया है कि हर लोकतंत्र की तरह

यहां भी सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध लागू होते हैं। अधिकारियों की कार्रवाई कानून के अनुसार होती है और किसी भी शिकायत के समाधान के लिए अदालतें उपलब्ध हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय को निष्पक्षता और सभी के साथ समान व्यवहार के अपने सिद्धांत के तहत दुनिया के अन्य स्थानों पर हो रहे बड़े प्रदर्शनों पर भी इसी तरह ध्यान देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने कहा था कि वह दिल्ली में शनिवार को भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां संविधान शांतिपूर्ण तरीके से सभा करने का अधिकार देता है। इस अधिकार की रक्षा मजबूत संस्थाओं, स्वतंत्र न्यायपालिका और स्वतंत्र मीडिया के जरिए की जाती है। पोस्ट में कहा गया है कि हर लोकतंत्र की तरह

रियाद एयरपोर्ट पर ह्तियों के हमले की भारत ने की कड़ी निंदा

नयी दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पिछले कुछ दिनों में हुए बार-बार के हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इन पर तुरंत रोक लगाई जाने की मांग की है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि शनिवार को हुए इस हमले में जान-माल का नुकसान हुआ, कई लोग घायल हुए हैं और संपत्ति की क्षति पहुंची। बयान में नागरिकों



और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले हमलों को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए इन्हें तुरंत रोकने की मांग की गई है। भारत में हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। साथ ही, सऊदी अरब की संप्रभुता की रक्षा के लिए वहां की जनता और सरकार के साथ एकजुटता व्यक्त की है। बयान में उम्मीद जताई गई है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश: दिल्ली में बैरिकेड्स की समीक्षा, इंटरनेट बहाल करने और मेट्रो का सामान्य परिचालन सुनिश्चित करने का निर्देश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रशासन और अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे पूरी दिल्ली में लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करें, कानून-व्यवस्था तथा यातायात की स्थिति को ध्यान में रखते हुए बैरिकेड्स की समीक्षा करें और इंटरनेट सेवाओं को बहाल करें।



इसके साथ ही न्यायालय ने आदेश दिया कि मेट्रो और रेल सेवाएं सार्वजनिक व्यवस्था के तहत जरूरी प्रतिबंधों के अधीन सामान्य रूप से चालू रखी जाएं। उच्चतम न्यायालय ने रविवार को एक विशेष सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण निर्देश जारी करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित

प्रक्रिया के बिना हिरासत में न लिया जाए। न्यायालय ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों के बाहर शांतिपूर्ण और निहत्थे एकत्र होने वाले लोगों के संदर्भ में यह आदेश दिया जहां निषेधाज्ञा लागू है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति जी. मोहना को पीठ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उच्चतम न्यायालय के

छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद बैठक

मोदी के नेतृत्व के 25 वर्ष पूरे होने पर छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद ने पारित किया अभिनंदन प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में निरंतर 25 वर्ष पूर्ण होने पर अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया है। हमारे लिए यह केवल एक उपलब्धि का अवसर नहीं है, बल्कि राष्ट्र प्रथम, जनसेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और अंत्योदय के सिद्धांतों पर चली एक असाधारण कर्मयात्रा का ऐतिहासिक पड़ाव है। छत्तीसगढ़ को तीन करोड़ जनता और मंत्रिपरिषद ने जैम से लेकर जीएसटी तक, अनुच्छेद 370 का समाप्ति और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से लेकर नक्सलवाद से मुक्ति तक, राष्ट्रहित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का भी अभिनंदन किया है। साथ ही, सहकारी संघवाद के माध्यम से छत्तीसगढ़ को अधिक संसाधन और भागीदारी देने तथा आवास, नल-जल, स्वच्छता, राशन,



स्वास्थ्य और स्वच्छ ईंधन जैसी सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मिले सहयोग के लिए हम केंद्र सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त करते हैं। अब मैं संक्षेप में आपके सामने रखना चाहूंगा कि इन 25 वर्षों के नेतृत्व का छत्तीसगढ़ पर क्या असर पड़ा है - सबसे पहले बात गुजरात की, जहां से सुशासन के नए प्रयोगों की शुरुआत हुई- मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए शासन में

टेक्नोलॉजी, जनसंवाद और परिणाम-आधारित कार्यप्रणाली के कई प्रयोग किए, जिन्हें आगे चलकर पूरे देश में अपनाया गया। वर्ष 2000 में बने हमारे छत्तीसगढ़ ने भी अपनी शुरुआती विकास यात्रा में 'गुजरात मॉडल' के सफल अनुभवों से सीखा और तेज़ी से आगे बढ़ा। संवाद और 'चिंतन शिविर' की परंपरा भी यहां लागू हुई। इसी क्रम में पीएम गतिशक्ति ने परियोजनाओं की प्लानिंग और निगरानी को

टेक्नोलॉजी से जोड़ा है। हमारे राज्य के लगभग 20 हजार गांवों में से करीब 14 हजार गांव जियो-रेफरेंस किए जा चुके हैं। निवेश का अनुकूल माहौल बनाने में भी हमें प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा मिली- 'वाइब्रेंट गुजरात' ने राज्यों को अपनी संभावनाएं दुनिया के सामने रखने की प्रेरणा दी, और इसी से हमने निवेश आकर्षित करने के लिए संरचनात्मक नीतियां लागू कीं। 'ईजू ऑफ ड्रुइंग बिजनेस अधिनियम, 2026' से औद्योगिक अनुमतियां सरल हुई हैं और तय समय-सीमा में निर्णय न होने पर डीड अफ्रूवल, यानी स्वतः स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम से भी प्रक्रिया आसान बनी है। दो जनविश्वास अधिनियमों के माध्यम से 279 गैर-जरूरी प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 24x7 सार्वजनिक अनुमति दी गई। कुल मिलाकर 450 से अधिक प्रशासनिक सुधार

किए गए हैं। इन प्रयासों का नतीजा है कि राज्य को 8.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.60 लाख से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। टेक्नोलॉजी ने शासन को आम नागरिक के आपसी संभावनाएं दुनिया के सामने रखने की प्रेरणा दी, और इसी से हमने निवेश आकर्षित करने के लिए संरचनात्मक नीतियां लागू कीं। 'ईजू ऑफ ड्रुइंग बिजनेस अधिनियम, 2026' से औद्योगिक अनुमतियां सरल हुई हैं और तय समय-सीमा में निर्णय न होने पर डीड अफ्रूवल, यानी स्वतः स्वीकृति का प्रावधान किया गया है। वन क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम से भी प्रक्रिया आसान बनी है। दो जनविश्वास अधिनियमों के माध्यम से 279 गैर-जरूरी प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 24x7 सार्वजनिक अनुमति दी गई। कुल मिलाकर 450 से अधिक प्रशासनिक सुधार

रहा है, और छत्तीसगढ़ में इसका असर साफ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में 20.65 लाख और शहरी क्षेत्रों में 2.25 लाख पक्के आवास पूर्ण हुए हैं। पिछले पौने तीन वर्षों में ही 11.78 लाख आवास बने हैं, और निर्माण की गति में हमारा राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 2,437 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता से 36 लाख घरों और 14,970 सामुदायिक शौचालय बने, और 18,653 गांव ओडीओएफएस घोषित हुए। उज्ज्वला योजना से 39.73 लाख बहनों को निःशुल्क गैस कनेक्शन मिले। आयुष्मान भारत में लगभग 2.49 करोड़, यानी करीब 92 प्रतिशत पात्र हितग्राहियों के कांड बने हैं, और 51.17 लाख हितग्राहियों को लगभग 11,877 करोड़ रुपये का निःशुल्क उपचार मिला है। 70 वर्ष से अधिक आयु के 6.21 लाख वरिष्ठ नागरिकों को 'वय-वंदना' कार्ड भी जारी किए जा चुके हैं।

मां-बेटे की निर्मम हत्या से कोयलांचल में फैली सनसनी

सूचना पर प्रेम नगर विधायक भूलन सिंह मरावी मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी पहुंचे वारदात स्थल

बंद घर के बाथरूम में मिला मां का शव एक दिन पूर्व महावीरपुर में मिला बेटे का शव

सूरजपुर एसपी योगेश पटेल बोले हत्यारे जल्द होंगे पुलिस की शिकंजे में

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर जिले के ग्राम केशवनगर में मां-बेटा की हत्यारे ने धारदार हथियार से मौत के आगोश में सुला दिया। इस दोहरे हत्याकांड ने कोयलांचल को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने कहा कि अपराधी जहां कहीं भी छुपे हो उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा परंतु अभी कुछ कह पाना जल्दबाजी होगी।

शिक्षिका मां का शव उसके बैंड किराए के मकान के बाथरूम में मिला जबकि उसका पुत्र का जयनगर थाना



क्षेत्र के महावीरपुर स्थित कालीघाट के पास 10 अक्टूबर की सुबह 17 वर्षीय सुजल बरेठ उर्फ पिंकू का शव मिली पहले पुत्र का शव का पता चला इसके बाद से लापता उसकी मां शिक्षिका रजनी बरेठ का शव देर रात केशवनगर स्थित उनके किराए के मकान में मिला। एक ही परिवार के दो सदस्यों की निर्माता पूर्वक हत्यारा द्वारा की गई हत्या से कोईलांचल में सनसनी फैल गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस, डोंग स्कायड और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। प्रशिक्षित डॉंग घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर के मकान में बार-बार जा रहा था जिससे कई संदेह का जन्म दे रहा रहा है। सूरजपुर एसपी योगेश पटेल भी देर रात घटनास्थल पर पहुंचे तथा संबंधित अधिकारियों , कर्मचारियों को मामले की गंभीरता पूर्वक जांच कर दोगियों को घर दबोचने का निर्देश दिया।

शिक्षिका जांजगीर चंपा जिला के बाराद्वार की रहने वाली थी पुत्रकामेल स्कूल में 12वीं के छात्र था- जानकारी के अनुसार, जांजगीर-



चांपा जिले के बाराद्वार निवासी रजनी बरेठ सूरजपुर जिले के ग्राम बेल्टीकरी स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में शिक्षिका के पद पर पदस्थ थीं। वह पिछले करीब 15 वर्षों से अपने बेटे सुजल के साथ बिश्रामपुर के समीप केशवनगर की ममता कॉलोनी में किराए के मकान में रह रही थीं। सुजल कॉमेल कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा 12वां का छात्र था।

बताया जा रहा है कि 9 अक्टूबर की शाम से मां-बेटे का कोई पता नहीं चल रहा था। परिजन उनकी तलाश कर ही रहे थे कि 10 अक्टूबर की सुबह महावीरपुर में कालीघाट के पास ग्राम पंचायत रोड से करीब 25 मीटर दूर सुजल का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला । शव मिलने की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया।

शिक्षिका का शव बाथरूम



में,पुत्र का शव 18 किलोमीटर दूर अजब नगर एवं स्कूटी वारदात से तीन किलोमीटर बिश्रामपुर सूरजपुर मार्ग पर बरामद- पुलिस की जांच के दौरान सुजल की स्कूटी उनके निवास स्थान से टीन किलो मीटर दूर बिश्रामपुर सूरजपुर मार्ग स्थित नाथरा पेट्रोल पंप के पास लावारिस हालत में मिली। मां-बेटे के एक साथ लापता होने, किशोर का शव महावीरपुर में मिलने और स्कूटी के अलग स्थान पर मिलने से मामले की जांच और महत्वपूर्ण हो गई।

इस बीच रजनी बरेठ का कोई सुराग नहीं मिलने पर पुलिस उनकी तलाश में जुटी रही। देर रात पुलिस परिजनों की मौजूदगी में घर का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुई। घर के भीतर रजनी बरेठ का शव पड़ा मिला। इसके बाद पुलिस ने तत्काल जांच तेज कर दी। सुबह डॉंग स्कायड और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही सूरजपुर एसपी योगेश पटेल भी देर रात मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम घर और

राजवाड़े प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े मौके पर पहुंचे- उक्त घटना की सूचना मिलते ही प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ,मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े , जिला भाजपा अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी शिवनंदनपुर नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल पूर्व नगर पंचायत विश्रामपुर का अध्यक्ष राजेश यादव भाजपा नेता संत सिंह सहित अन्य लोग मौके पर पहुंच कर कानून व्यवस्था की जानकारी दें तथा पुलिस से जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्त में लेने की बात कही। वहीं रजनी बरेठ के पति सत्या बरेठ रायगढ़ के विनोबा नगर, बोहरदादर के निवासी बताए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, दोनों के बीच वर्ष 2020 में तलाक हो गया था।

इस लोमहर्षक घटना में सबसे बड़ा सवाल यह है कि मां-बेटे के साथ आखिर ऐसा क्या हुआ कि सुजल का शव घटनास्थल से 17 किलोमीटर महावीरपुर में कैसे पहुंचा होगा ? उसकी स्कूटी पेट्रोल पंप के पास लावारिस हालत में कैसे पहुंची ? और रजनी बरेठ की मौत किन परिस्थितियों में हुई?

फिन्तहाल इन सवालों के जवाब पुलिस जांच और फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आ सकेंगे। मौतों की वास्तविक वजह और घटना के पीछे की परिस्थितियों को लेकर आधिकारिक खुलासा होना बाकी है। एक दिन पहले बेटे और फिर घर के भीतर मां का शव मिलने की इस घटना ने पूरे सूरजपुर जिले में सनसनी फैला दी है।

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व मनाने के लिए अनुमति पूजा विधान में दिखी अपार उत्साह

कांटों के झूले पर विराजी मां काछनदेवी, महापर्व आयोजन की मिली अनुमति

जगदलपुर/ अपनी अनूठी, प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में विशेष पहचान रखने वाले बस्तर के ऐतिहासिक महापर्व बस्तर दशहरा की विभिन्न पूजा विधान हर्षोल्लास और गहरी आस्था के साथ शुरू हो गई हैं। करीब सात सदियों पुरानी इस गौरवशाली परंपरा का शुभारंभ हर साल की तरह इस बार भी परम्परागत पूजा विधान ‘काछन गादी’ के साथ संपन्न हुआ। इसके तहत पक्का समाज की नाबालिग कुंवारी कन्या पीहू ने ‘मां काछनदेवी’ का स्वरूप धारण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस अनुष्ठान के दौरान कन्या के शरीर में स्वयं मां काछनदेवी का वास होता है। जब देवी रूपी बालिका को बेल के नुकीले कांटों से तैयार किए गए झूले पर लटाय़ा गया, तो वहां मौजूद जनसमूह अपार श्रद्धा एवं उत्साह से भर उठा। कांटों के इस नाजुक और कठिन झूले पर विराजित होकर देवी ने बस्तर राजपरिवार, बस्तर अंचल की जनता और प्रशासन को आगामी कार्यक्रमों को निर्बाध व सकुशल संपन्न कराने तथा 75 दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के आयोजन की अनुमति प्रदान की।

अनुष्ठान के दौरान बस्तर राजपरिवार के सदस्य एवं माटी पुजारी श्री कमलचंद भंजदेव ने काछन देवी के समक्ष शीश झुकाकर उनका आशीर्वाद लिया और इसके पश्चात उन्होंने गोलबाजार पहुंचकर मिरगान समुदाय की इष्ट देवी मां रैला देवी की विधिवत



पूजा-अर्चना कर उनका भी आशीर्वाद प्राप्त किया। जैसे ही यह ऐतिहासिक और पारंपरिक रस्म पूरी हुई। इस दौरान पूरा काछन गुड़ी और गोलबाजार इलाका पारंपरिक वाद्य-ध्वनियों मोहरी बाजा की गूंज से गुंजायमान हो उठा।

इस ऐतिहासिक और पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और देश-विदेश से पहुंचे हजारों सैलानियों तथा समूचे बस्तर अंचल के श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष श्री बलराम मांझी, महापौर श्री संजय पाण्डे सहित कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज श्री

बीएन मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा तथा पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित मांझी-चालकी, नाइक-पाइक और मेंबर-मेंबरिन, पुजारी, गायता और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बस्तर दशहरा पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यहां की जीवंत आदिवासी संस्कृति और अटूट आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है, जो बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की समर्पित एवं उनकी अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। इस महापर्व में यहाँ के हर समुदाय की सहकार एवं सक्रिय सहभागिता जुड़ा हुआ है और इस भव्य शुरुआत के साथ ही अब विश्व प्रसिद्ध महापर्व के विविध अनुष्ठानों का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा।

कांटों के झूले पर विराजी मां काछनदेवी, महापर्व आयोजन की मिली अनुमति

जगदलपुर/ अपनी अनूठी, प्राचीन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के लिए पूरी दुनिया में विशेष पहचान रखने वाले बस्तर के ऐतिहासिक महापर्व बस्तर दशहरा की विभिन्न पूजा विधान हर्षोल्लास और गहरी आस्था के साथ शुरू हो गई हैं। करीब सात सदियों पुरानी इस गौरवशाली परंपरा का शुभारंभ हर साल की तरह इस बार भी परम्परागत पूजा विधान ‘काछन गादी’ के साथ संपन्न हुआ। इसके तहत पक्का समाज की नाबालिग कुंवारी कन्या पीहू ने ‘मां काछनदेवी’ का स्वरूप धारण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस अनुष्ठान के दौरान कन्या के शरीर में स्वयं मां काछनदेवी का वास होता है। जब देवी रूपी बालिका को बेल के नुकीले कांटों से तैयार किए गए झूले पर लटाय़ा गया, तो वहां मौजूद जनसमूह अपार श्रद्धा एवं उत्साह से भर उठा। कांटों के इस नाजुक और कठिन झूले पर विराजित होकर देवी ने बस्तर राजपरिवार, बस्तर अंचल की जनता और प्रशासन को आगामी कार्यक्रमों को निर्बाध व सकुशल संपन्न कराने तथा 75 दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के आयोजन की अनुमति प्रदान की।

अनुष्ठान के दौरान बस्तर राजपरिवार के सदस्य एवं माटी



पुजारी श्री कमलचंद भंजदेव ने काछन देवी के समक्ष शीश झुकाकर उनका आशीर्वाद लिया और इसके पश्चात उन्होंने गोलबाजार पहुंचकर मिरगान समुदाय की इष्ट देवी मां रैला देवी की विधिवत पूजा-अर्चना कर उनका भी आशीर्वाद प्राप्त किया। जैसे ही यह ऐतिहासिक और पारंपरिक रस्म पूरी हुई। इस दौरान पूरा काछन गुड़ी और गोलबाजार इलाका पारंपरिक वाद्य-ध्वनियों मोहरी बाजा की गूंज से गुंजायमान हो उठा। इस ऐतिहासिक और पावन क्षण के साक्षी बनने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और देश-विदेश से पहुंचे हजारों सैलानियों तथा समूचे बस्तर अंचल के श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कार्यक्रम एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष

श्री बलराम मांझी, महापौर श्री संजय पाण्डे सहित कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज श्री बीएन मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा तथा पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित मांझी-चालकी, नाइक-पाइक और मेंबर-मेंबरिन, पुजारी, गायता और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बस्तर दशहरा पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि यहां की जीवंत आदिवासी संस्कृति और अटूट आस्था का सबसे बड़ा प्रतीक है, जो बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को समर्पित एवं उनकी अगाध श्रद्धा को दर्शाता है। इस महापर्व में यहाँ के हर समुदाय की सहकार एवं सक्रिय सहभागिता जुड़ा हुआ है और इस भव्य शुरुआत के साथ ही अब विश्व प्रसिद्ध महापर्व के विविध अनुष्ठानों का सिलसिला अनवरत जारी रहेगा।

सरगुजा ओलंपिक बना ग्रामीण प्रतिभाओं का मंच

ओलंपिक में दिखा खिलाड़ियों का जोश और जुनून, 939 प्रतिभागियों ने दिखाया दमखम

विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

विधायक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर खेलों के माध्यम से करियर बनाने का दिया संदेश

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) विकासखंड रामानुजनगर में 6 से 9 अक्टूबर 2026 तक आयोजित चार दिवसीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का



समापन 9 अक्टूबर को प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। ओलंपिक में महिला एवं पुरुष वर्ग के 14 से 17 वर्ष तथा 17 वर्ष से अधिक आयु के सीनियर एवं जूनियर खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा मरावी ने इस अवसर पर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुल 939 प्रतिभागियों ने हिस्सा

लेकर खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का परिचय दिया।उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। एवं प्रतिभागियों को स्मृति स्वरूप पौधे भेंट किया। प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने इस अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए



कहा कि खेल केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। खेलों के माध्यम से युवा अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं तथा मेहनत और लगन के बल पर खेल के क्षेत्र में बेहतर करियर बना सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास

करने, अपनी प्रतिभा को निखारने और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। 22 खेल विधाओं में आयोजित हुई प्रतियोगिताएं- चार दिनों तक चले सरगुजा ओलंपिक में फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैलीबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, बॉर्डमिंटन, कुश्ती, कराटे, तीरंदाजी, ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक,

तवा फेंक, गोला फेंक, रस्साकशी, रिले रेस सहित 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी खेलों में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

संक्षिप्त समाचार

जिला चिकित्सालय की जीवनदीप समिति में आठ नए सदस्यों का मनोनयन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-जिला चिकित्सालय सूरजपुर में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जीवनदीप समिति का संचालन किया जाता है। समिति के माध्यम से अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास, मरीजों की सुविधाओं में सुधार तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक ने जानकारी दी है कि प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल के मार्गदर्शन में जीवनदीप समिति में 8 नए सदस्यों को मनोनीत किया गया है। ताकि समिति में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य व्यक्तियों की सहभागिता बढ़ाकर जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। अंतर्गत प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी, शशिकांत गंग, पूर्व सरपंच संत सिंह, संदीप अग्रवाल, उन्नत कुषक ठाकुर प्रसाद राजवाड़े, राजेश्वर तिवारी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, महिला सदस्य, श्रीमती देवती साहू को सदस्य बनाया गया है। जीवनदीप समिति में नए सदस्यों की सहभागिता से अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, मरीजों एवं उनके परिजनों की आवश्यकताओं को समझने तथा स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा। जिला चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा जीवनदीप समिति के माध्यम से जनसहयोग एवं जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

क्रॉम्पटन इंटेलिसेंस स्मार्ट प्रो के साथ घरेलू जल प्रबंधन को बनाया आसान

मुंबई : ओवरहेड टैंक के लेवल की निगरानी करने से लेकर पंप का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने तक, पारंपरिक सिस्टम में काफी वायरिंग, कई ड्रिवाइस और नियमित देख-रेख की जरूरत पड़ सकती है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने क्रॉम्पटन इंटेलिजेन्स स्मार्ट प्रो पेश किया है। यह एक वायरलेस वाईटर लेवल कंट्रोलर है, जिसमें कंट्रोल पैनल की सुविधा भी एकीकृत है। इसे घरेलू जल प्रबंधन को अधिक सुविधाजनक बनाने, बेहतर नियंत्रण प्रदान करने और पंप की सुरक्षा में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सर्वमर्सिबल और ओपनवेल पंपों के साथ उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक वाईटर लेवल कंट्रोलर्स में आमतौर पर ओवरहेड टैंक और ग्राउंड फ्लोर पर लगे पंप के बीच वायरिंग की आवश्यकता होती है। खासकर बहुमंजिला इमारतों में इसके लिए इंस्टॉलेशन के अतिरिक्त काम, निर्माण संबंधी बदलाव और अतिरिक्त खर्च की जरूरत हो सकती है। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में पंप्स एंड किचन अप्लायंसेज के बिजनेस हेड आनंद कुमार एन ने कहा, क्रॉम्पटन में हमारा हमेशा से प्रयास ऐसे सॉल्यूशंस विकसित करना रहा है, जो रोजमर्रा के घरेलू कामों को आसान और सुविधाजनक बनाएं। जल प्रबंधन दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा है, लेकिन पारंपरिक प्रणालियों में पानी का स्तर नियंत्रित करने और पंप की सुरक्षा के लिए जटिल इंस्टॉलेशन और कई उपकरणों की जरूरत पड़ सकती है। हमने इन सुविधाओं को एक ही इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन में उपलब्ध कराया है।

श्याम मेटलक्स ने 100 इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ टिकाऊ संयंत्र संचालन को गति दी

कोलकाता : भारत की प्रमुख एकीकृत धातु उत्पादक कंपनियों में शामिल श्याम मेटलक्स एंड एनर्जी लिमिटेड ने अपने संयंत्र परिसरों में 100 इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तैनाती के साथ टिकाऊपन और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों को और मजबूत किया है। इनमें हल्के और भारी, दोनों तरह के मोटर वाहन शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य कंपनी के विनिर्माण परिचालन में स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना और टिकाऊ एवं जिम्मेदार विनिर्माण पर कंपनी के व्यापक पैकेज को मजबूत करना है। कंपनी के संयंत्रों में हल्के और भारी, दोनों श्रेणियों के 100 ईवी की तैनाती स्वच्छ तकनीकों को मुख्य परिचालन प्रक्रियाओं में शामिल करने की श्याम मेटलक्स की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वाणिज्यिक वाहनों को हरित विकल्पों में बदलने की प्रस्तावित योजना के साथ यह पहल कंपनी की विनिर्माण इकाइयों में अधिक टिकाऊ परिवहन व्यवस्था विकसित करने में योगदान देगी। साथ ही, यह कंपनी के दीर्घकालिक डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों और जिम्मेदार विकास की सोच को भी समर्थन देगी। अपने व्यापक हरित पहलों के तहत कंपनी अपने सभी संयंत्रों में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हरित वाहनों में बदलने की भी योजना बना रही है। इससे स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। यह रोडमैप कंपनी के विनिर्माण नेटवर्क में कम-कार्बन परिवहन समाधानों को शामिल करने और दीर्घकालिक डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में उसके प्रयासों को दर्शाता है। यह पहल श्याम मेटलक्स के व्यापक टिकाऊपन और डीकार्बोनाइजेशन एजेंडे का हिस्सा है।

महिला सशक्तिकरण से विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और महिला सशक्तिकरण विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का मजबूत आधार है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारा लक्ष्य महिलाओं को केवल शासकीय योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर में हिंदी खबर द्वारा आयोजित शाईनिंग छत्तीसगढ़ ‘शक्ति स्वरूपा’ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं का सम्मान किया और उनसे संवाद भी किया।



मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी को शक्ति स्वरूपा माना गया है। नवरात्रि मातृशक्ति की आराधना का महापर्व है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। बचपन में ही पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने अपनी माता को अनेक कठिनाइयों के बीच परिवार को संभालते और खेती-बाड़ी करते हुए देखा। उनकी माता ने कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा और संस्कारों में कोई कमी नहीं आने दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां के संघर्ष, सेवाभाव, सनातन मूल्यों के प्रति आस्था और परिवार के प्रति समर्पण ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। जनसेवा और जरूरतमंद के प्रति संवेदनशीलता की प्रेरणा उन्हें अपने परिवार और विशेष रूप से अपनी माता से मिली। आज मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाते हुए भी वे उन्हीं संस्कारों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना के

अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 32 किस्तों में 20 हजार 700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है। इस राशि ने महिलाओं को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता देने के साथ परिवार की निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और आत्मविश्वास को भी मजबूत किया है। महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों, पोषण, घरेलू आवश्यकताओं और बचत जैसे कार्यों में कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि योजना की पात्र कोई भी महिला इसके लाभ से वंचित न रहे। तकनीकी कारणों, दस्तावेजों, आधार अथवा बैंक खाते से जुड़ी त्रुटियों के कारण जिन पात्र महिलाओं को लाभ नहीं मिल पाया है, उनके प्रकरणों का परीक्षण कर

महाराजा अग्रसेन जयंती पर MAIC में गूँजा एकता और जनकल्याण का संदेश



रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक), रायपुर में आज, 11 अक्टूबर 2026, रविवार को महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रातः 9:30 बजे महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित हुई। इस अवसर पर मैक महाविद्यालय के चेयरमैन डॉ. रमेश अग्रवाल, सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल तथा ट्रस्ट से श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री आत्मबोध अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज के गणमान्य सदस्यगण उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का आरम्भ श्री

अग्रसेन जी की आरती से किया गया। तत्पश्चात छात्र-छात्रों द्वारा भरतनाट्यम और सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। पारदीय नवरात्र के भजन से पूरा सभागार भक्तिमय हो गया। चेयरमैन डॉ. रमेश अग्रवाल जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि अग्रसेन जयंती समाज में एकता, समानता, सहयोग, सेवा और मानव कल्याण के आदर्शों को स्मरण करने का विशेष अवसर है। सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल जी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन का जीवन हमें सामाजिक समरसता, परोपकार, उद्यमशीलता तथा

जनकल्याण की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज द्वारा आयोजित यह समारोह भारतीय संस्कृति एवं महान विभूतियों के आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास है। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सहयोग और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहें।

विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित



रायपुर (विश्व परिवार)। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, रायपुर ग्रामीण के तत्वावधान में रायपुर (संचा./संघा.) संभाग में विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री संजय खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण, उपभोक्ता अधिकारों तथा विद्युत विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं से विद्युत संबंधी समस्याओं एवं

शिकायतों के निराकरण के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया।

कार्यशाला के दौरान रायपुर ग्रामीण संभाग के विद्युत उपभोक्ताओं को उनके उपभोक्ता अधिकारों, विद्युत सेवाओं, शिकायत निवारण व्यवस्था एवं निर्धारित समय-सीमा के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य उपभोक्ताओं और विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध विद्युत सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

रोटरी द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता संगोष्ठी संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ रायपुर द्वारा एन.एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल, रायपुर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य स्वस्थ मन, सकारात्मक सोच और बेहतर भविष्य के महत्व को रेखांकित करना था। विभिन्न गतिविधियों , प्रश्नोत्तर तथा फ़िल्म शो के माध्यम से विद्यार्थियों से इंटरैक्शन किया गया। डॉ प्रदीप गोविंद शितू ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि डॉ. एला गुप्ता, मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय की विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, तनाव को पहचानने, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा दैनिक जीवन में मानसिक संतुलन बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला।सतीश नायर, जिला शिक्षा अधिकारी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति ने शिक्षा के क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की आवश्यकता को विशेष महत्व प्रदान किया।



रोटरी क्लब ऑफ रायपुर की अध्यक्ष डॉ प्रीता लाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों में परीक्षा, पढ़ाई और अन्य गतिविधियों से उत्पन्न तनाव को समझना तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। एन एच गोयल वर्ल्ड स्कूल के प्राचार्य डॉ अविनाश पांडेय ने कहा कि शिक्षकों की भूमिका भी विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, भवनात्मक संतुलन और सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण होती है।विशेष अतिथि के आसन से एन एच गोयल वर्ल्ड स्कूल के संचालक तोमर ने कहा कि समाज में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाने में ऐसे कार्यक्रम सार्थक होते हैं। रोटरी क्लब

ऑफ रायपुर ने हमेशा ही ऐसे कार्यक्रमों की ओर विशेष ध्यान दिया है जो समाज में लंबे समय तक रहने वाला असर डालें। इसके लिए हम रोटरी क्लब ऑफ रायपुर का धन्यवाद करते हैं। इस अवसर पर क्लब के सुभाष साहू, उत्तम गर्ग, सचिव निपेश राजपति , कृष्णा साहू तथा भारी संख्या में विद्यार्थी तथा शिक्षक उपस्थित रहे।डॉ प्रदीप गोविंद शितूत अध्यक्षरायपुर ब्राइट फ़ाउंडेशन , रोटरी मैत्री ट्रस्ट , बाल समाज सहायक प्रांतपाल (2026 - 27)रोटरी क्लब ऑफ रायपुर को चेयरमैन एल्युमिनी , (2025 - 26)सिटी को ऑर्डिनेटर रायपुर (2024 - 2025)अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ रायपुर (2023 - 24) सिटी को ऑर्डिनेटर रायपुर (2024 - 2025) सचिवसी. कुसुम ताई दाबके स्मृति पाठशाला प्रबंध समिति तात्यापापा रायपुर

रायपुर के इंडोर स्टेडियम में सर्वधर्म प्रार्थना सभा, गांधी और शास्त्री के आदर्शों को किया याद

रायपुर (विश्व परिवार)। सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर में आज भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, राज्य मुख्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के पावन अवसर पर श्रद्धापूर्वक नमन की।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा की यह भावना हमें स्मरण कराती है कि हमारी विविधताएं हमारी शक्ति हैं। धर्म, भाषा और परंपराओं की विविधता के बीच परस्पर सम्मान, सद्भाव और भाईचारा ही राष्ट्र की एकता की और मजबूत बनाता है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन में कैबिनेट मंत्री माननीय श्री Gajendra Yadav, विधायक रायपुर ग्रामीण श्री



Motilal Sahu साहू, स्काउट्स गाइड्स के मुख्य आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह खालसा जी, भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रलाल साहू जी, प्छाद्रसू चेयरमैन राजीव अग्रवाल जी, छाद्य आपूर्ति निगम अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव जी, बीज निगम अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर जी,

केशशिल्प बोर्ड अध्यक्ष श्री श्री गौरीशंकर श्रीवास जी, औषधी पादप बोर्ड अध्यक्ष श्री अजय शुक्ला जी, बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष श्रीमती वर्णिणी कर्मा जी, राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह छावड़ा जी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चारित्रवान होगा वही प्रतिष्ठा कराने का अधिकारी हो सकता है: पद्मचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव

दिल्ली (विश्व परिवार)। ऋषभ विहार में विराजित, दिगम्बर जैन श्रमण-संस्कृति के उन्नायक परम पूज्य पद्मचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने प्रतिष्ठा शिरोमणी ग्रन्थ-संगोष्ठी सभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि - सर्वगुण सम्पन्न ही



प्रतिष्ठाचार्य पाण्डित जी स्वयं में प्रतिष्ठित है, अनुशासित है, तेजवान है, ओजवान है, सुरीले कण्ठ का है, विधि-विधान का ज्ञाता है, मंत्रवादी है, समुण शास्त्र का ज्ञाता है, ज्योतिष का ज्ञाता है, वही श्रेष्ठ-प्रतिष्ठाचार्य होता है। चारित्रवान होगा वही प्रतिष्ठा कराने का अधिकारी हो सकता है। लोभ वृत्ति, भोग आकांक्षा, कषाय, कलुषित-भाग, कलह से कार्य सिद्ध नहीं होता है। पात्र, विधि, साधन स्थान समय के परिवर्तन से कार्य का फल बदल जाता है। सिद्धि के लिए भाग्य, पुण्य

होना चाहिए। सिद्धि के लिए विशुद्ध आवश्यक है। जब भी मूर्ति, मंदिर की प्रतिष्ठा होती है, तो उसमें मंत्र, तंत्र एवं यंत्रों का प्रयोग अनिवार्य है। मंत्र शक्तिशाली होते हैं। मंत्रों के जाप से ऊर्जा प्राप्त होती है। मंत्र, तंत्र एवं यंत्रों प्रयोग गुरु उपदेश से करना चाहिए। प्रतिष्ठा की सफलता के लिए अधिक-से-अधिक मंत्रों का जाप करना चाहिए। भावपूर्वक जाप करने से ताप, संताप और पाप का क्षय हो जाता है। तंत्रों से आकर्षण होता है। यंत्र प्रभावित करते हैं।

मोदी देश के सबसे असफल प्रधानमंत्री : कांग्रेस

रायपुर। कांग्रेस ने कहा कि मोदी देश के सबसे असफल प्रधानमंत्री हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि उन्होंने जो भी वादा किया था कोई वादा पूरा नहीं किया सिर्फ अपनी ब्रांडिंग और जुमलों के सहारे सरकार चला रहे महंगाई, बेरोजगारी मोदी सरकार की पहचान बन गयी है।



प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रुपये का था, आज यह 1017 रु. के पार है वह भी मिल नहीं रहा। पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 108 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 101 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। मोदी सरकार ने महंगाई से जूझ रही जनता एवं

मंदी की मार झेल रही व्यवसायिक संस्थानों, उद्योगों पर कुठाराघात किया है। घरेलू कमर्शियल सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी कर दिया। एकमुश्त 993 रु. की बढ़ोतरी एवं प्रवासी श्रमिकों एवं गरीब जनता द्वारा उपयोग किये जाने वाले 5 किलो वाली गैस सिलेंडर के दाम में 261 रु. की वृद्धि कर दी है। बीते पांच माह में कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 1510 रु. की वृद्धि हुई है जनवरी में 111 रु. फरवरी में 50 रु. मार्च में दो बार मिलाकर 146 रु. अप्रैल में 218 रु. एवं मई

में 993 रु. की वृद्धि हुई है, अब घरेलू गैस एवं पेट्रोल डीजल के दाम में भी वृद्धि की संभावना है।

प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी ने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 2015 से किसानों की आय में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता थी। वास्तविक वृद्धि 3.5 प्रतिशत ही रही है। इस गति से गारंटी 2035 में ही पूरी हो सकेगी। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेट्री के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार की नोटबंदी योजना नासूर साबित हुई। काले धन की वापसी, जालसाजी पर अंकुश, आतंकवाद पर लगाम, भ्रष्टाचार का अंत, सभी गारंटी फेल। बंद हुई 99 प्रतिशत करंसी सिस्टम में लौट आई है।

40 वर्षों से लगातार विशाल भंडारे का आयोजन कर रहे समाजसेवी जितेंद्र अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती में लगातार 40 वर्षों से समाजसेवी पूर्व पार्षद एम आई सी सदस्य जितेंद्र अग्रवाल द्वारा नवरात्रि के प्रथम दिन एवं महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के शुभ अवसर पर विशाल भंडारा कराते आ रहे हैं हमारे संवाददाता ने जब जितेंद्र अग्रवाल जी से पूछा तो उन्होंने बताया कि 40 वर्षों पहले अचानक मेरे मन में ऐसी इच्छा जागृत हुई कि गरीबों को भोजन कराया जाए उस समय कोई भंडारा नहीं कराया करता था क्यों ना मेरे द्वारा यह पुण्य का कार्य किया जाए तब से धीरे-धीरे यह भंडारा का रूप लेता है और आज विशाल भंडारे के रूप में परिवर्तित हो गया हर वर्ष अग्रवाल समाज के आदि पुरुष महाराजा अग्रसेन जी की जयंती पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है जिसमें लोग अधिक से अधिक बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं आज भी दोपहर 2:00 बजे से भंडारा का आयोजन शुरू हुआ जो शाम



7:00 बजे तक अनवरत चलता रहा करीब दो ढाई 3000 लोग ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया इस भंडारे के प्रसाद वितरण में मित्र मंडली पुरानी बस्ती के लोग बढ़-चढ़कर सहयोग करते आ रहे हैं उन्होंने बताया कि यह आयोजन आगे भी इसी तरह और वृहद रूप में चलता रहेगा उन्होंने महाराजा अग्रसेन जी की जयंती एवं नवरात्रि के प्रथम दिन माता रानी को से कामना की माता रानी इसी तरह हमें संतल प्रदान करें।



नवरात्रि में करें
लौंग के ये
टोटके, हर बुरी
नजर होगी दूर

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है।

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करने से जीवन के सभी दुख दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का घर में आगमन होता है। वहीं, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि नवरात्र के दौरान लौंग के कुछ उपाय करना भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आइये जानते हैं उन उपायों के बारे में। नवरात्रि पर करें लौंग के ये उपाय नवरात्रि के नौ दिनों तक रोजाना शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर लौंग के तेल का दीपक जलाए या फिर दीये में लौंग डालकर प्रज्वलित करें। इससे घर का दोष दूर होता है और घर पर आने वाला संकट नष्ट हो जाता है।

नवरात्रि के दौरान घर के टॉयलेट और बाथरूम में 5 लौंग जलाने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है और सकारात्मकता का संचार होता है। इसके अलावा, बुरी नजर अगर लगी है तो उससे भी छुटकारा मिलता है।

नवरात्रि के दौरान अष्टमी या नवमी तिथि पर हवन के समय लौंग को आहुति के रूप में चढ़ाने से घर की बरकत के रास्ते खुलते हैं। पारिवारिक कलश दूर होता है और सदस्यों के बीच आपसी रिश्तों में मिठास बनने लग जाती है।

नवरात्रि के दौरान 7 लौंग लाल कपड़े में लपेटकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें और दशमी तिथि पर उस लौंग की पोटली को पवित्र जल में प्रवाहित कर दें। इससे सोया हुआ भाग्य जाग उठेगा। उज्जवल भविष्य का मार्ग खुल जाएगा।



श्री कृष्ण को कौन-कौन सी पत्नियां चढ़ानी चाहिए?

भगवान श्री कृष्ण को कुछ विशेष पत्नियां चढ़ाना भी अति शुभ होता है। इन पत्नियों को चढ़ाने से कई तरह के लाभ मिलते हैं। आइये जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को कौन सी पत्नियां चढ़ानी चाहिए।

श्री कृष्ण की पूजा के दौरान उन्हें कई प्रकार के फूल चढ़ाए जाते हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि कृष्ण चरणों में फूल अर्पित करने से जीवन हमेशा

खुशियों से महकता रहता है। भगवान श्री कृष्ण को कुछ विशेष पत्नियां चढ़ाना भी अति शुभ होता है। इन पत्नियों को चढ़ाने से कई तरह के लाभ मिलते हैं। आइये जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण को कौन सी पत्नियां चढ़ानी चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले लाभ।

पीपल की पत्नियां

भगवांस श्री कृष्ण को पीपल की पत्नियां चढ़ाने से घर में कैसा भी दोष क्यों न हो दूर हो जाता है।

इसके अलावा, भगवान कृष्ण के साथ-साथ सभी देवी-देवताओं की कृपा भी मिलने लगती है।

तुलसी की पत्नियां

तुलसी दल श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है। ऐसे में तुलसी दल भी श्री कृष्ण को अर्पित करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता का संचार होता है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है।

अशोक की पत्नियां

अशोक के पेड़ में भगवान शिव का वास होता है। ऐसे में अशोक की पत्नियां श्री कृष्ण को चढ़ाने से वह बहुत प्रसन्न हो जाते हैं। वहीं, शुक्र ग्रह का वास होने के कारण वैवाहिक जीवन मधुर बनता है। भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाए कंदर्ब की पत्नियां कंदर्ब का फूल भगवान श्री कृष्ण का प्रिय माना जाता है। ऐसे में कंदर्ब का फूल भगवान श्री कृष्ण को चढ़ाने से घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है और सभी मनोकामनाएं पूरी होने लगती हैं।



नवरात्रि पर माता दुर्गा की उपासना की जाती है। पुराणों में नवरात्रि की माता नौ दुर्गा के अलग अलग वाहनो का वर्णन मिलता है। जैसे शैलपुत्री माता वृषभ पर सवार है तो कालरात्रि माता गधे पर। इसी तरह प्रत्येक देवी का वाहन अलग अलग है, परंतु माता का मुख्य वाहन शेर और सिंह ही है। आओ जानते हैं इस संबंध में 2 खास बातें।

देवी दुर्गा सिंह पर सवार हैं तो माता पार्वती शेर (बाघ) पर। पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वे स्कंद की माता कहलाती हैं उन्हें सिंह पर सवार दिखाया गया है। कात्यायनी देवी को भी सिंह पर सवार दिखाया गया है। देवी कुष्मांडा शेर (बाघ) पर सवार है। माता चंद्रघंटा भी शेर (बाघ) पर सवार है। जिनकी प्रतिपदा और जिनकी अष्टमी को पूजा होती है वे शैलपुत्री और महागौरी वृषभ पर सवारी करती हैं। माता कालरात्रि की सवारी गधा

देवी दुर्गा का वाहन शेर ही क्यों है?

है तो सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान है।

एक कथा अनुसार शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी पार्वती ने हजारों वर्ष तक तपस्या की। तपस्या से देवी सांवली हो गईं। भगवान शिव से विवाह के बाद एक दिन जब शिव पार्वती साथ बैठे थे तब भगवान शिव ने पार्वती से मजाक करते हुए काली कह दिया। देवी पार्वती को शिव की यह बात चुभ गई और कैलाश छोड़कर वापस तपस्या करने में लीन हो गईं। इस बीच एक भूखा शेर देवी को खाने की इच्छा से वहां पहुंचा। लेकिन तपस्या में लीन देवी को देखकर वह चुपचाप बैठ गया।

शेर सोचने लगा कि देवी कब तपस्या से उठें और वह उन्हें अपना आहार बना ले। इस बीच कई साल बीत गए

लेकिन शेर अपनी जगह डटा रहा। इस बीच देवी पार्वती की तपस्या पूरी होने पर भगवान शिव प्रकट हुए और पार्वती गौरवर्ण यानी गोरी होने का वरदान दिया। इसके बाद देवी पार्वती ने गंगा स्नान किया और उनके शरीर से एक सांवली देवी प्रकट हुई जो कोशिकी कहलायी और गौरवर्ण हो जाने के कारण देवी पार्वती गोरी कहलाने लगी। देवी पार्वती ने उस शेर को अपना वाहन बना लिया जो उन्हें खाने के लिए बैठा था। इसका कारण यह था कि शेर ने देवी को खाने की प्रतीक्षा में उन पर नजर टिकाए रखकर वर्षों तक उनका ध्यान किया था। देवी ने इसे शेर की तपस्या मान लिया और अपनी सेवा में ले लिया। इसलिए देवी पार्वती के वाहन माने शेर/सिंह माने जाते हैं।



नवरात्रि में नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का क्या है महत्व?

नवपत्रिका पूजा हिंदू धर्म में एक विशेष पूजा है। यह खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। इस पूजा में नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों का एक गुच्छा, जिसे नवपत्रिका कहा जाता है, माता दुर्गा को अर्पित किया जाता है। यह पूजा मुख्य रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है।

हिंदू धर्म में नवपत्रिका पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व विशेष रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है। यह पूजा खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। जिसमें नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों को एक गुच्छा में बांधा जाता है। जिसे नवपत्रिका कहा जाता है। उसके बाद इसे मां दुर्गा को चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति पूरे नौ पत्तियों को पूरी श्रद्धा और शुद्धता के साथ बांधकर माता रानी को अर्पित करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। साथ ही नजरदोष से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान नवपत्रिका पूजा में कौन-कौन से नौ पत्तियों का गुच्छा बनाया जाता है। सभी पत्तों का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का महत्व

नौ पत्ते मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पत्ता मां दुर्गा के एक विशिष्ट रूप की शक्ति और विशेषताओं को दर्शाता है। इन पत्तों को पवित्र माना जाता है और इन्हें मां दुर्गा को अर्पित किया जाता है। ये पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक हैं। ये पत्ते शक्ति और उर्जा का भी प्रतीक हैं। माना जाता है कि इन पत्तों में मां दुर्गा की दिव्य शक्ति निहित होती है। नवपत्रिका पूजा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस पूजा को करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यह पूजा बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी सहायक होती है।

केले का पत्र - केले के पत्ता शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक है। दारुहलदी पत्र - दारुहलदी पत्र शक्ति और उर्जा का प्रतीक है। हल्दी पत्र - हल्दी पत्र शुभता, समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक है।

जयंती पत्र - जयंती पत्र शुभता और कामता का प्रतीक है। बेल पत्र - बेलपत्र शांति और शक्ति का प्रतीक है। अनार पत्र - अनार पत्र ज्ञान प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है। अशोक पत्र - अशोक पत्र शुद्धता सत्य और जीत का प्रतीक है। धान पत्र - धान पत्र समृद्धि का प्रतीक है। अमलतास पत्र - अमलतास पत्र आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा का प्रतीक है।



इस नवरात्रि जरूर करें सांझी माता की आरती, मनचाही कामना होगी पूरी

सांझी माता हिंदू धर्म, विशेषकर उत्तर भारत में, विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं की देवी के रूप में पूजित की जाती है। सांझी पर्व, जो खासतौर से शारदीय नवरात्रि के दौरान मनाया जाता है, कुंवारी कन्याओं के लिए विशेष महत्व रखता है। सांझी माता की पूजा करने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलने की मान्यता है। माना जाता है कि सांझी माता कुंवारी कन्याओं की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। सांझी पूजा घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाती है।

माना जाता है कि सांझी माता के आशीर्वाद से घर में खुशहाली आती है। आपको बता दें, नवरात्रि के दौरान पहले माता सांझी को आटे, चावल के आटे या रेत से बनाया जाता है। सांझी माता को बनाने

के बाद उनकी पूरी विधि-विधान के साथ-पूजा-अर्चना भी की जाती है। कहते हैं, कि अगर सांझी माता की पूजा पूरी श्रद्धा से किया जाए, तो माता उन्हें सभी सुखों से भर देती हैं। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान सांझी माता की आरती क्या है और आरती करने का क्या महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं। नवरात्रि के दौरान करें माता सांझी की आरती नवरात्रि के दौरान माता सांझी की आरती करने से मनचाहे फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख-सौभाग्य में भी वृद्धि होती है। आरता री आरता मेरी सांझी माई आरता, आरता के नैन, कचाली भर आइयो,

टेढ़ी टेढ़ी पगियों में, बीरा जी हमारे, लंबे लंबे घूंघट वाली, भावज हमारी, क्या मेरी सांझी ओढ़ेगी, पहरेगी, सोने का सीस गुनघाएगी, जाग सांझी जाग तेरे माथे लगे भाग, तेरी पटियों में मांग, तेरे हाथों में सुहाग, गोरा री गोरा सांझी का भैया गोरा गोरी है बहुरिया, अरसी तेरे फूल, पिचासी तेरे डंडे, श्रवण तेरी डोर, मुलतानी तेरे पलड़े, हल्दी गांठ गदीली, सबकी बहु है हदीली, माँगे सोने का बिंदा, बिंदा मोल गया, भाभो रूठ गयी, भैया बागों में जाइयो, एक लोथड़ा कटाइयो, सूझा सूझ मचाइयो, कालबली के ऊंचे पाए, नीचे पाए लेले बेटा गोद खिलाए, गुरसल मंगल गाती आई, चिड़िया चूँ चूँ करती आई अऊँ तेरी सांझी, मांगे गेहूँ, तू दे सपुती जाँ, तेरे बेटा होंगे नौ, नौ नोरते देवी के, सोलह कनागत पितरों के, खोल मेरी देवी, चंदन किवाड़, मैं आई तेरे पुजनहार, पूज पूजन्ति क्या कुछ लाई, भैया भतीजे सब परिवार, भैया तेरे नौ दस बीस, भतीजे तेरे पूरे तीस

